



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 3146]

नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 8, 2018/श्रावण 17, 1940

No. 3146]

NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 8, 2018/SHRAVANA 17, 1940

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(विदेश व्यापार महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 अगस्त, 2018

सं. 24/2015-2020

विषय: विदेश व्यापार नीति, 2015-2020 के पैरा 2.05 में संशोधन।

का.आ. 3941(अ).—समय-समय पर यथा संशोधित विदेश व्यापार नीति, 2015-2020 के पैरा 1.02 और 2.01 के साथ पठित विदेश व्यापार (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1992 की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार, एतद्वारा विदेश व्यापार नीति (2015-20) के अध्याय-2 निर्यातक और आयात के संबंध में सामान्य प्रावधान के प्रावधानों में निम्नानुसार संशोधित करती है:—

2.05 आयातक निर्यातक कोड (आईईसी)

मौजूदा पैरा	संशोधित पैरा
(I)	
(क) आईईसी प्राप्त करने हेतु आवेदन-पत्र लागू शुल्क के साथ एएनएफ-2क में आनलाइन प्रस्तुत किया जा सकता है तथा डिजिटल हस्ताक्षर के साथ प्रस्तुत किया जा सकता है।	(क) आईईसी संख्या प्राप्त किए बिना किसी व्यक्ति द्वारा कोई निर्यात या आयात नहीं किया जाएगा यदि विशिष्ट रूप से छूट नहीं दी गई हो। सेवाओं के निर्यात हेतु, अध्याय 3 के प्रावधानों के अनुसार
(ख) जब सक्षम प्राधिकारी द्वारा ई-आईईसी अनुमोदित कर दिया	

<p>जाता है तो आवेदक के ई-मेल के जरिए यह सूचना दी जाती है कि डीजीएफटी वेबसाइट पर कम्प्यूटर सृजित ई-आईईसी उपलब्ध है। "ऑनलाइन आईईसी आवेदन" वेबपेज में अपेक्षित ब्यौरे भरकर और सबमिट करने के पश्चात् "आवेदन स्थिति" पर क्लिक कर आवेदक अपना ई-आईईसी देख सकता है और प्रिंट ले सकता है।</p> <p>(ग) आवेदक आईईसी आवेदन सहित निम्नलिखित ब्यौरों/दस्तावेजों (स्कैन की गई प्रतिलिपि को प्रस्तुत/अपलोड किया जाना है) के साथ आनलाइन आवेदन प्रस्तुत कर सकता है।</p> <p>(i) हस्ताक्षरकर्ता आवेदक का डिजिटल फोटोग्राफ;</p> <p>(ii) उस व्यवसाय कम्पनी के पैन कार्ड की प्रतिलिपि जिनके नाम आयात/निर्यात किया जाएगा (स्वामित्व वाले फर्मों के मामले में आवेदक स्वयं)</p> <p>(iii) रद्द किया हुआ चेक जिसमें फर्म का पहले से ही प्रिन्टेड नाम हो या निर्धारित प्रपत्र एएनएफ-2क(झ) में बैंक प्रमाणपत्र।</p> <p>(घ) आईईसी में संशोधन के लिए आवेदक डिजिटल हस्ताक्षर (वर्ग-ii और वर्ग iii) के द्वारा देय फीस का भुगतान करके और मांगे गए परिवर्तनों के अनुरूप अपेक्षित दस्तावेज अपलोड करके आनलाइन आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।</p> <p>(ङ) ई-आईईसी हेतु आवेदन करने हेतु विस्तृत दिशानिर्देश http://dgft.gov.in/exim/2000/iecanf/iecanf.htm पर उपलब्ध है।</p> <p>(II) आईईसी के बिना कोई निर्यात/आयात नहीं</p> <p>(i) जब तक विशेष छूट नहीं दी जाती, किसी भी व्यक्ति द्वारा आयातक-निर्यातक कोड नम्बर (आईईसी) के बिना किसी माल का निर्यात या आयात नहीं किया जायेगा।</p> <p>(ii) छूट प्राप्त श्रेणियाँ और स्थायी आई ई सी संख्या प्रक्रिया पुस्तक के पैरा 2.07 में दी गई है।</p>	<p>आईईसी केवल तभी आवश्यक होगा जब सेवा प्रदाता विदेश व्यापार नीति के तहत लाभ ले रहा हो।</p> <p>(ख) छूट प्राप्त श्रेणियाँ और तदनुरूपी स्थायी आईईसी संख्या प्रक्रिया पुस्तक के पैरा 2.07 में दी गई है।</p> <p>(ग) आईईसी के लिए आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह आनलाइन है और प्रक्रिया पुस्तक में वर्णित प्रक्रिया के अनुसार आवेदक द्वारा आईईसी प्राप्त किया जा सकता है।</p>
--	---

2. इस अधिसूचना का प्रभाव: आईईसी से संबंधित पैरा 2.05 को संशोधित किया जाता है और प्रक्रिया संबंधी विवरण को प्रक्रिया पुस्तक के पैरा 2.08 में स्थानान्तरित किया जाता है।

[फा. सं. 01/93/180/20/एएम-13/पीसी-2(ख)/ई-5200]

आलोक वर्धन चतुर्वेदी, महानिदेशक, विदेश व्यापार

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF FOREIGN TRADE)

NOTIFICATION

New Delhi, the 8th August, 2018

No. 24/2015-2020**Subject: Amendment in Para 2.05 of Foreign Trade Policy 2015-2020.**

S.O. 3941(E).—In exercise of powers conferred by Section 3 of FT (D&R) Act, 1992, read with paragraph 1.02 and 2.01 of the Foreign Trade Policy, 2015-2020, as amended from time to time, the Central Government hereby amends and revises the provision in Para 2.05 of the Foreign Trade policy (2015-20) on Importer-Exporter Code (IEC) as under:

2.05 Importer-Exporter Code (IEC)

Existing Para	Revised Para
(I)	
(a) Application for obtaining IEC may be filed online in ANF 2A with applicable fees and submitted with digital signature.	(a) No export or import shall be made by any person without obtaining an IEC number unless specifically exempted. For services exports, IEC shall be necessary as per the provisions in Chapter 3 only when the service provider is taking benefits under the Foreign Trade Policy.
(b) When an e-IEC is approved by the competent authority, applicant is informed through e-mail that a computer generated e-IEC is available on the DGFT website. By clicking on “Application Status” after having filled and submitted the requisite details in “Online IEC Application” webpage, applicant can view and print his e-IEC.	(b) Exempt categories and corresponding permanent IEC numbers are given in Para 2.07 of Handbook of Procedures.
(c) The applicant may submit online application with the following details /documents (scanned copies to be submitted/ uploaded) along with the IEC application:	(c) Application process for IEC is completely online and IEC can be generated by the applicant as per the procedure detailed in the Handbook of Procedure.
(i) Digital photograph of the signatory applicant;	
(ii) Copy of the PAN card of the business entity in whose name Import/Export would be done (Applicant individual in case of Proprietorship firms);	

<p>(iii) Cancelled cheque bearing entity's pre-printed name or Bank certificate in prescribed format ANF-2A(I)</p> <p>(d) For modification in IEC, applicants may submit online application through digital signature (Class-II or Class-III), by paying applicable fees and uploading requisite documents, corresponding to the changes sought.</p> <p>(e) Detailed guidelines for applying for e-IEC is available at http://dgft.gov.in/exim/2000/iec_anf/iecanf.htm</p> <p>(II) No Export/Import without IEC:</p> <p>(i) No export or import shall be made by any person without obtaining an IEC number unless specifically exempted.</p> <p>(ii) Exempt categories and corresponding permanent IEC numbers are given in Para 2.07 of Handbook of Procedures.</p>	
---	--

Effect of the Notification: Para 2.05 on IEC is revised and details on the procedure is shifted to para 2.08 of Handbook of Procedures.

[F. No. 01/93/180/20/AM-13/PC-2(B)/e-5200]

ALOK VARDHAN CHATURVEDI, Director General of Foreign Trade